NEXT IAS

राजस्थान
एक नज़र में...

वार्षिक
विशेष पुस्तक

www.nextias.com

Table of Contents

1. राजस्थान: एक परिचय (Rajasthan: An Introduction) 3
2. राजस्थान की राजव्यवस्था एवं शासन व्यवस्था (Polity and Governance of Rajasthan) 6
3. संसद में राजस्थान (RAJASTHAN IN PARLIAMENT) 7
4. राजस्थान के राज्यपाल (Governors of Rajasthan) 7
5. राजस्थान के मुख्यमंत्री (Chief Ministers Of Rajasthan) 9
6. राजस्थान विधानसभा (Rajasthan Legislative Assembly) 10
7. राजस्थान की कार्यपालिका (Executive of Rajasthan) 11
8. राजस्थान उच्च न्यायालय (Rajasthan High Court) 11
9. राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग (Rajasthan State Election Commission) 13
10. राजस्थान लोक सेवा आयोग (Rajasthan Public Service Commission) 13
11. जिला प्रशासन (District Administration) 13
12. जिला कलेक्टर (District Collector) 15
13. राजस्थान में पंचायती राज (Panchayati Raj in Rajasthan) 16
14. राजस्थान में शहरी स्थानीय स्वशासन (Urban Local Self-Government in Rajasthan) 17
15. राजस्थान के लोकायुक्त (Lokayukta Of Rajasthan) 18
16. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग (Rajasthan State Human Rights Commission) 19
17. राजस्थान राज्य महिला आयोग (Rajasthan State Commission for Women) 19
18. राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 (Rajasthan Public Service Guarantee Act, 2011) 20
19. राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012 (Rajasthan Right To Hearing Act, 2012) 21
20. राजस्थान के इतिहास के प्रमुख स्रोत (Major Sources Of Rajasthan's History) 22
21. पाषाण काल में राजस्थान (Rajasthan in the Stone Age) 24
22. महत्त्वपूर्ण प्राचीन सभ्यताएँ (Important Ancient Civilizations) 25
23. राजस्थान के महत्त्वपूर्ण राजवंश (Important Dynasties Of Rajasthan) 27
24. राजस्थान के महत्त्वपूर्ण युद्ध (Important Battles of Rajasthan) 31
25. राजस्थान के प्रमुख साका एवं जौहर (Major Saka & Jauhar of Rajasthan) 33
26. राजपूतों की प्रशासनिक और राजस्व प्रणाली (Administrative And Revenue System Of Rajputs) 34
27. राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम (Freedom Struggle In Rajasthan) 36
28. राजस्थान में प्रमुख आंदोलन (Major Movements in Rajasthan) 38
29. राजस्थान में राजनीतिक एकीकरण (Political Integration In Rajasthan) 41
30. राजस्थान के प्रमुख समाचार पत्र (Major Newspapers of Rajasthan) 42
31. राजस्थान की सामाजिक संस्थाएँ (Social Institutions of Rajasthan) 43

32. राजस्थान के महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तित्व (Important Historical Personalities Of Rajasthan) 45
33. राजस्थान में प्रदर्शन और ललित कलाएँ (Performing And Fine Arts In Rajasthan) 61
34. लोक मूर्तिकला (Folk Sculpture) 63
35. चित्रकारी (Painting) 64
36. मेवाड़ स्कूल (Mewar School) 64
37. मारवाड़ स्कूल (Marwar School) 66
38. हाड़ौती स्कूल (Hadoti School) 66
39. ढूंढाड़ स्कूल (Dhundhar School) 68
40. लोक चित्रकला (FOLK PAINTING) 69
41. भित्तिचित्र (Mural Painting) 70
42. राजस्थान में हस्तशिल्प और वास्तुकला (Handicrafts And Architecture In Rajasthan) 71
43. राजस्थान के क्षेत्रीय प्रिंट/छपाई (Regional Prints of Rajasthan) 74
44. वास्तुशिल्प (Architecture) 76
45. राजस्थान के कुछ लोकप्रिय मंदिर (Some popular temples of Rajasthan) 85
46. जल संरक्षण के लिए वास्तुकला (Architecture for Water Conservation) 87
47. राजस्थान के मेले और त्यौहार (Fairs and Festivals of Rajasthan) 88
48. राजस्थान के प्रमुख त्यौहार (Major Festivals of Rajasthan) 88
49. राजस्थान में लोक संगीत (Folk Music in Rajasthan) 89
50. राजस्थान के लोकगीत (Folk Songs of Rajasthan) 89
51. राजस्थान के लोक नृत्य (Folk Dances Of Rajasthan) 91
52. राजस्थान के लोक नाटक (Folk Dramas Of Rajasthan) 93
53. राजस्थान के सामाजिक-धार्मिक आंदोलन और संत (Socio-Religious Movements and Saints of Rajasthan) 96
54. सामाजिक सुधार के लिए महत्त्वपूर्ण संस्थाएँ (Important Institutions for Social Reform) 98
55. दयानंद सरस्वती और उनका योगदान (Dayanand Saraswati and his Contributions) 98
56. राजस्थान के धार्मिक समुदाय (Religious Communities of Rajasthan) 99
57. राजस्थान में प्रमुख संप्रदाय (Major Sects in Rajasthan) 100
58. लोक देवता और लोक देवियाँ (Folk Gods And Folk Goddesses) 103
59. राजस्थान के प्रमुख संत (Major Saints of Rajasthan) 107
60. राजस्थान की प्रमुख महिला संत (Major Women Saints of Rajasthan) 109
61. राजस्थान का साहित्य, भाषा और बोलियाँ (LITERATURE LANGUAGE & DIALECTS OF RAJASTHAN) 110
62. राजस्थान का लोक और आधुनिक साहित्य (Rajasthan's Folk And Modern Literature) 111
63. प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य 112
64. साहित्य से सम्बंधित व्यक्तित्व (Personalities Related to Literature) 116
65. राजस्थान में पर्यटन (Tourism in Rajasthan) 117

66. राजस्थान का भूगोल (Geography of Rajasthan) 122
67. राजस्थान की भूवैज्ञानिक संरचना(Geological Structure Of Rajasthan) 126
68. राजस्थान की विभिन्न चट्टानें (Different Rocks In Rajasthan) 128
69. राजस्थान की स्थलाकृति (Topography Of Rajasthan) 129
70. राजस्थान का भूदृश्य (Landscape Of Rajasthan) 129
71. राजस्थान का भौगोलिक क्षेत्र (Geographical Regions Of Rajasthan) 130
72. राजस्थानका अपवाह तंत्र (Drainage System Of Rajasthan) 136
73. राजस्थान की जलवायु (Climate of Rajasthan) 140
74. राजस्थान में ऋतुएँ (Seasons in Rajasthan) 141
75. राजस्थान की प्राकृतिक वनस्पति एवं मृदा (Natural Vegetation And Soils Rajasthan) 144
76. राजस्थान में वनों के प्रकार (Types Of Forests In Rajasthan) 144
77. राजस्थान में मृदा के प्रकारों का वितरण (Distribution Of Soil Types In Rajasthan) 148
78. नवीन विधि द्वारा राजस्थान की मृदा का वर्गीकरण (Classification of the Soils of Rajasthan by New Method) 149
79. राजस्थान में कृषि एवं पशुपालन (Agriculture And Animal Husbandry In Rajasthan) 150
80. कृषि सुधार कार्यक्रम (Agricultural Reform Programmes) 157
81. राजस्थान में पशुपालन (Animal Husbandry In Rajasthan) 158
82. राजस्थान में खान एवं खनिज संसाधन (Mines And Mineral Resources In Rajasthan) 164
83. खनिजों के प्रकार 165
84. राजस्थान में औद्योगिक विकास 170
85. औद्योगिक विकास हेतु पहल 175
86. राज्य सरकार की संस्थाएँ और योजनाएँ 176
87. राजस्थान में परिवहन 179
88. राजस्थान की जनजातियाँ 187
89. जनजातीय विकास कार्यक्रम 190
90. राजस्थान की अर्थव्यवस्था: विकास एवं व्यापक परिदृश्य 191
91. राजस्थान में आर्थिक नियोजन 192
92. राजस्थान में विकास के आयाम 196
93. राजस्थान में क्षेत्रीय विकास 199
94. राजस्थान का प्राथमिक क्षेत्र 201
95. राजस्थान का द्वितीयक क्षेत्रक (Secondary Sector Of Rajasthan) 207
96. योजनाएँ एवं पहल 208
97. औद्योगिक विकास एवं संवर्धन हेतु प्रशासन 210
98. राजस्थान हस्तशिल्प नीति 2022 212
99. तृतीयक क्षेत्र एवं सामाजिक विकास 218

100. वित्तीय सेवाएँ 219
101. शहरीकरण एवं शहरी विकास 226
102. प्रमुख विकास योजनाएँ (Major Development Schemes) 231
103. राजस्थान में ऊर्जा के स्रोत 255
104. राजस्थान में ऊर्जा के गैर-परम्परागत स्रोत 258
105. राजस्थान के वन्य जीव एवं जैव विविधता 261
106. राजस्थान में जैव विविधता 263
107. राजस्थान के राष्ट्रीय उद्यान एवं प्रमुख वन्य जीव अभ्यारण्य 263

राजस्थान: एक परिचय (Rajasthan: An Introduction)

राजस्थान, जो भारत में अपने थार मरुस्थल के लिए जाना जाता है और जिसे **'राजाओं की भूमि'** के रूप में भी जाना जाता है, **क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य** है। राजस्थान का क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किलोमीटर है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्रफल का 10.40% है। भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार, राजस्थान में वन क्षेत्र 16,654.96 वर्ग किलोमीटर है, जो राज्य के भौगोलिक क्षेत्रफल का 4.87% है। वर्तमान में, **5 राष्ट्रीय उद्यान, 25 वन्यजीव अभयारण्य और 11 संरक्षण रिजर्व** राजस्थान के संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क का गठन करते हैं, जो राज्य के भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.92% हिस्सा है।

राजस्थान में **4 बाघ आरक्षित क्षेत्र** परियोजना (रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी) और **2 रामसर स्थल** (केवलादेव घाना अभयारण्य और सांभर झील) हैं। यह राज्य देश के **उत्तर-पश्चिमी भाग** में स्थित है और सांस्कृतिक विविधता का घर है। इसकी विशेषताओं में सिंधु घाटी सभ्यता के खंडहर, मंदिर, किले और दुर्ग तथा लगभग हर शहर में बावड़ियाँ शामिल हैं। राजस्थान के प्रारंभिक इतिहास में कुछ महान शासकों का उल्लेख है, जिनमें पृथ्वीराज चौहान, सम्राट हेम चंद्र विक्रमादित्य, महाराणा उदय सिंह, महाराणा प्रताप, राजा मान सिंह और अन्य प्रमुख थे।

मूल तथ्य (Basic Facts)

विषय-वस्तु (Item)	विवरण (Description)
गठन	30 मार्च 1949
राजधानी	जयपुर
सबसे बड़ा शहर	जयपुर
आधिकारिक भाषा	हिंदी
अतिरिक्त आधिकारिक भाषा	अंग्रेजी

विषय-वस्तु (Item)	विवरण (Description)
क्षेत्रीय भाषा	राजस्थानी, मेवाती
अक्षांशीय विस्तार	23.03° उ. से 30.12° उ.
देशांतरीय विस्तार	69.30° पूर्व से 78.17° पूर्व
क्षेत्रफल	132,140 वर्ग मील (342,239 वर्ग किमी.)
कर्क रेखा	बांसवाड़ा जिला
औसत ग्रीष्मकालीन तापमान सीमा	25° से 46° C (77° से 115° F)
औसत शीतकालीन तापमान सीमा	8° से 28° C (46° से 82° F)
औसत वर्षा सीमा	100 मिमी से 650 मिमी
क्षेत्र	नौ (अजमेर राज्य, हाड़ौती, ढूंढाड़, गोरवार, शेखावाटी, मेवाड़, मारवाड़, वागड़ और मेवात)
पड़ोसी राज्य	पाँच (पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात)
राज्य चिन्ह	**अशोक का सिंह स्तंभ (The Lion Capital of Ashoka)**
राज्य पुष्प	**रोहिड़ा** • वैज्ञानिक नाम: टेकोमेला अंडुलाटा। • यह मरुस्थली क्षेत्रों का एक पर्णपाती वृक्ष है। • यह स्थिर रेत के टीलों पर बहुत अच्छी तरह पनपता है, जहाँ अत्यधिक कम और उच्च तापमान पाया जाता है।
राज्य पक्षी	**गोडावण या ग्रेट इंडियन बस्टर्ड** • वैज्ञानिक नाम: आर्डेओटिस नाइग्रिसेप्स। • विशाल घास के मैदानों में रहने वाले विशाल और भव्य भूमि-निवासी पक्षी; अन्य खुले घास वाले आवासों जैसे कि अर्ध-मरुस्थल और हल्के कृषित क्षेत्रों में भी यह अधिक पाया जाता है। • यह भूरे पंखों और पीली गर्दन, गहरे रंग की टोपी वाला पक्षी है; इसमें नर की गर्दन मादा की तुलना में अधिक सफ़ेद होती है। • प्रजनन का समय नहीं होने पर अक्सर छोटे झुंडों में पाया जाता है।

विषय-वस्तु (Item)	विवरण (Description)
राज्य पशु	**ऊँट** • वैज्ञानिक नाम: कैमेलस • यह राजस्थान का गौरव है और हजारों गरीब परिवार रेगिस्तान में यात्रा के लिए इस पर निर्भर हैं। • वे कम रखरखाव वाले जानवर हैं, जो सूखी घास और झाड़ियों पर निर्वाह करते हैं। • राजस्थान में ऊँटों की कुछ लोकप्रिय नस्लों में जैसलमेरी, मारवाड़ी, बीकानेरी और मेवाती आदि शामिल हैं। • ऊँट बिना पानी के 15 दिनों तक और कुछ मामलों में कई महीनों तक भी जीवित रह सकते हैं। ऊँट इतने लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं क्योंकि वे अपने कूबड़ में वसा जमा करते हैं, जिसका उपयोग वे भोजन और पानी की कमी होने पर ऊर्जा के लिए कर सकते हैं। **चिंकारा (Chinkara)** • वैज्ञानिक नाम: गज़ेला बेनेट्टी। • राजस्थान के थार रेगिस्तान के हिंदू समुदाय बिश्नोई इसे पवित्र पशु मानते हैं। • गर्मियों में इसका रंग लाल-भूरे रंग का होता है और फर चिकना और चमकदार होता है। • चिंकारा (भारतीय हिरन) ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत का मूल निवासी है। • यह सबसे छोटी एशियाई मृग प्रजाति है। • इसकी छह उप-प्रजातियाँ हैं। इनमें से डेक्कन चिंकारा और गुजरात चिंकारा भारत में पाए जाते हैं। • वितरण: दक्कन चिंकारा गंगा घाटी से दक्कन पठार तक पाया जाता है। गुजरात चिंकारा थार रेगिस्तान, कच्छ के रण, काठियावाड़ और सौराष्ट्र क्षेत्र में पाया जाता है। • पर्यावास: शुष्क वन और रेगिस्तान। यह एक शर्मीली प्रजाति है और मानव निवास से दूर रहती है। • ख़तरे: शिकार और पर्यावास की क्षति। • संरक्षण स्थिति: IUCN लाल सूची: कम चिंताग्रस्त • भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची I

विषय-वस्तु (Item)	विवरण (Description)
राज्य नृत्य	**घूमर** • यह राजस्थान का पारंपरिक लोक नृत्य है। • प्रारंभ में, भील जनजाति द्वारा देवी सरस्वती की पूजा करने के लिए यह नृत्य किया जाता था और बाद में इसे अन्य राजस्थानी समुदायों ने भी अपना लिया। • यह नृत्य आमतौर पर घाघरा नामक लहराते कपड़े पहनकर और घूंघट से ढकी महिलाओं द्वारा किया जाता है। • इस नृत्य में कलाकार एक बड़े घेरे में अंदर-बाहर घूमते हैं।
राज्य वृक्ष	**खेजड़ी** • वैज्ञानिक नाम: प्रोसोपिस सिनेरिया। • यह राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र के लगभग दो-तिहाई हिस्से पर विस्तृत है तथा सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से इसका बहुत महत्त्व है। • हिंदू इस वृक्ष का बहुत सम्मान करते हैं और दशहरा उत्सव के दौरान इसकी पूजा करते हैं। • स्थानीय पौराणिक कथाओं के अनुसार, पांडवों ने वनवास के दौरान अपने हथियार इसी पेड़ के नीचे छिपाए थे। • इस पेड़ की कोमल हरी फलियों को सब्जी के रूप में पकाकर खाया जाता है। • पेड़ की पत्तियों का उपयोग विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। • खेजड़ी की फलियों से निकाले गए पानी में घुलनशील अर्क और अलग-अलग रसायनों में एंटीऑक्सीडेंट और सूजनरोधी गुण होते हैं।

राजस्थान की राजव्यवस्था एवं शासन व्यवस्था (Polity and Governance of Rajasthan)

राजस्थान का गठन (Formation of Rajasthan)

ब्रिटिश भारत में इसे राजपुताना के नाम से जाना जाता था, 1948 में रियासतों ने मिलकर संयुक्त राज्य राजस्थान (यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ राजस्थान) का गठन किया। मई 1949 में इसका नाम बदलकर संयुक्त राज्य वृहत राजस्थान (यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ ग्रेटर राजस्थान) कर दिया गया और 1956 में राजस्थान राज्य का जन्म हुआ।

संविधान सभा में राजस्थान के प्रतिनिधि (Representatives of Rajasthan in the Constituent Assembly)

प्रतिनिधि (Representatives)	रियासत (Princely State)
टी. टी. कृष्णामाचारी	जयपुर रियासत
हीरालाल शास्त्री	जयपुर रियासत
रामचन्द्र उपाध्याय	अलवर रियासत
दलेल सिंह	कोटा रियासत
मुकुट बिहारी भार्गव	अजमेर-मेरवाड़ा रियासत
जय नारायण व्यास	जोधपुर रियासत
बलवंत सिंह मेहता	उदयपुर रियासत
माणिक्यलाल वर्मा	उदयपुर रियासत
राजबहादुर	भरतपुर रियासत
जसवन्त सिंह	बीकानेर रियासत
सरदार सिंह	खेतड़ी रियासत
गोकुल लाल असावा	भीलवाड़ा रियासत

संसद में राजस्थान (RAJASTHAN IN PARLIAMENT)

लोकसभा (Lok Sabha)

- राजस्थान में 25 लोकसभा सीटें हैं जिनमें से 4 सीटें अनुसूचित जाति (भरतपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, करौली-धौलपुर) और 3 सीटें अनुसूचित जनजाति (उदयपुर, दौसा, बांसवाड़ा) के लिए आरक्षित हैं।
- महारानी गायत्री देवी पहली महिला लोकसभा सदस्य थीं। गायत्री देवी ने 1962 में संसद के लिए चुनाव लड़ा और 246,516 में से 192,909 वोट हासिल करके लोकसभा में अपना निर्वाचन क्षेत्र जीता। उन्होंने 1967 और 1971 में सी राजगोपालाचारी द्वारा स्थापित स्वतंत्र पार्टी के सदस्य के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ा और इस सीट पर कब्जा बनाए रखा।
- राजस्थान से अनुसूचित जाति की पहली महिला लोकसभा सदस्य सुश्री उषा मीणा (सवाई माधोपुर) थीं।
- राजस्थान से अनुसूचित जनजाति की पहली महिला लोकसभा सदस्य सुश्री सुशीला बंगारू (जालौर) थीं
- राजस्थान से सर्वाधिक निर्वाचित लोकसभा सदस्य नाथूराम मिर्धा (कांग्रेस) थे।
- छठी लोकसभा (23 मार्च 1977 से 22 अगस्त 1979) में राजस्थान में लोकसभा सीटें 23 से बढ़कर 25 हो गयीं।

राज्यसभा (Rajya Sabha)

- राज्यसभा के लिए मनोनीत होने वाले पहले राजस्थानी नारायण सिंह (2003) थे।
- **राजस्थान से राज्यसभा की पहली महिला सदस्य सुश्री शारदा भार्गव थीं। वह 1952 से 1966 तक राज्यसभा की सदस्य रहीं और 1956-57 की अवधि के दौरान इसके उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।**
- सर्वाधिक निर्वाचित (4 बार) राज्यसभा सदस्य - राम निवास मिर्धा और जसवंत सिंह (अधिकतम कार्यकाल)।
- सर्वाधिक निर्वाचित महिला राज्यसभा सदस्य शारदा भार्गव (3 बार) थीं।

राजस्थान के राज्यपाल (Governors of Rajasthan)

- राजस्थान के एकीकरण के समय राजप्रमुख का पद सृजित किया गया था।
- **सवाई मानसिंह (जयपुर के महाराजा) को 30 मार्च 1949 को राज्य का पहला और एकमात्र राजप्रमुख बनाया गया। वे 31 अक्टूबर 1956 तक इस पद पर बने रहे।**
- 1 नवम्बर 1956 को राज्य के पुनर्गठन के बाद राजप्रमुख के स्थान पर राज्यपाल का पद सृजित किया गया।
- राज्यपाल को प्रशासनिक सहायता प्रदान करने के लिए राजभवन में राज्यपाल सचिवालय है। राज्यपाल सचिवालय का प्रमुख राज्यपाल का सचिव (प्रशासनिक सेवा का वरिष्ठ अधिकारी) होता है।

सं.	राजस्थान के राज्यपाल	कार्यकाल
1	राजप्रमुख सवाई श्री. मानसिंह	30 मार्च 1949 से 31 अक्टूबर 1956 तक
2	सरदार श्री. गुरुमुख निहाल सिंह	1 नवम्बर 1956 से 15 अप्रैल 1962 तक
3	डॉ. सम्पूर्णानन्द	16 अप्रैल 1962 से 15 अप्रैल 1967 तक
4	सरदार श्री हुकुम सिंह	16 अप्रैल 1967 से 19 नवंबर 1970 तक
5	न्यायमूर्ति जगत नारायण (प्रभारी)	20 नवम्बर 1970 से 23 दिसम्बर 1970 तक
6	सरदार श्री हुकुम सिंह	24 दिसम्बर 1970 से 30 जून 1972 तक
7	सरदार श्री जोगिंदर सिंह	1 जुलाई 1972 से 14 फ़रवरी 1977 तक
8	न्यायमूर्ति श्री वेदपाल त्यागी (प्रभारी)	15 फ़रवरी 1977 से 11 मई 1977 तक
9	श्री रघुकुल तिलक	12 मई 1977 से 8 अगस्त 1981 तक
10	न्यायमूर्ति श्री के.डी. शर्मा (प्रभारी)	8 अगस्त 1981 से 5 मार्च 1982 तक
11	एयर चीफ मार्शल ओपी मेहरा	6 मार्च 1982 से 4 जनवरी 1985 तक
12	न्यायमूर्ति पीके बनर्जी (प्रभारी)	5 जनवरी 1985 से 31 जनवरी 1985 तक
१३	एयर चीफ मार्शल ओपी मेहरा	1 फरवरी 1985 से 3 नवंबर 1985 तक
14	न्यायमूर्ति डी.पी. गुप्ता (प्रभारी)	4 नवंबर 1985 से 19 नवंबर 1985 तक
15	श्री वसंत राव पाटिल	15 अक्टूबर 1987 से 19 फरवरी 1988 तक
16	न्यायमूर्ति जगदीश शरण वर्मा (प्रभारी)	20 नवम्बर 1985 से 14 अक्टूबर 1987 तक
17	श्री सुखदेव प्रसाद	20 फरवरी 1988 से 2 फरवरी 1989 तक
18	न्यायमूर्ति जगदीश शरण वर्मा (प्रभारी)	3 फरवरी 1989 से 19 फरवरी 1989 तक
19	श्री सुखदेव प्रसाद	20 फरवरी 1989 से 2 फरवरी 1990 तक
20	श्री मिलाप चंद जैन (प्रभारी)	3 फरवरी 1990 से 13 फरवरी 1990 तक
21	प्रोफेसर देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय	14 फरवरी 1990 से 25 अगस्त 1991 तक
22	डॉ. स्वरूप सिंह (प्रभारी)	26 अगस्त 1991 से 4 फ़रवरी 1993 तक
23	डॉ. एम. चेन्ना रेड्डी	5 फरवरी 1992 से 30 मई 1993 तक
24	श्री धनिकलाल मंडल (प्रभारी)	31 मई 1993 से 29 जून 1993 तक
25	श्री बलिराम भगत	30 जून 1993 से 30 अप्रैल 1998 तक
26	श्री सरदार दरबारा सिंह	1 मई 1998 से 23 मई 1998 तक
27	श्री एन.एल. टिबरेवाल (प्रभारी)	24 मई 1998 से 15 जनवरी 1999 तक
28	न्यायमूर्ति श्री अंशुमान सिंह	16 जनवरी 1999 से 13 मई 2003 तक
29	श्री निर्मल चंद्र जैन	14 मई 2003 से 22 सितम्बर 2003 तक
30	श्री कैलाशपति मिश्र (प्रभार)	22 सितम्बर 2003 से 13 जनवरी 2004 तक
३१	श्री मदन लाल खुराना	14 जनवरी, 2004 से 31 अक्टूबर, 2004 तक
32	श्री टी.वी. राजेश्वर (प्रभारी)	01 नवम्बर 2004 से 07 नवम्बर, 2004 तक
33	श्रीमती प्रतिभा पाटिल	08 नवम्बर 2004 से 23 जून 2007 तक
34	डॉ. एआर किदवई (प्रभारी)	23 जून 2007 से 05 सितम्बर, 2007
35	श्री शीलेन्द्र कुमार सिंह	06 सितम्बर 2007 से 09 जुलाई 2009 तक
36	श्री रामेश्वर ठाकुर (प्रभार)	10 जुलाई, 2009 से 22 जुलाई, 2009 तक
37	श्री शीलेन्द्र कुमार सिंह	23 जुलाई, 2009 से 01 दिसंबर, 2009
38	श्रीमती प्रभा राव (प्रभार)	03 दिसंबर 2009 से 24 जनवरी 2010 तक
39	श्रीमती प्रभा राव	25 जनवरी 2010 से 26 अप्रैल 2010 तक
40	श्री शिवराज पाटिल (प्रभारी)	28 अप्रैल 2010 से 11 मई 2012 तक

सं.	राजस्थान के राज्यपाल	कार्यकाल
41	श्रीमती मार्गरेट अल्वा	12 मई 2012 से 07 अगस्त 2014 तक
42	श्री राम नाईक (प्रभारी)	08 अगस्त 2014 से 03 सितम्बर 2014 तक
43	श्री कल्याण सिंह	04 सितम्बर 2014 से 09 सितम्बर 2019 तक
44	हरिभाऊ किसनराव बागडे	31 जुलाई 2024 से वर्तमान तक

राजस्थान के मुख्यमंत्री (Chief Ministers Of Rajasthan)

मुख्यमंत्री (Chief Minister)	कार्यकाल (Tenure)	दल (Party)	विवरण (Description)
हीरालाल शास्त्री	07 अप्रैल 1949 से 06 जनवरी 1951 तक	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	राज्य के प्रथम प्रधानमंत्री एवं प्रथम मुख्यमंत्री
सी.एस. वेंकटचारी	06 जनवरी 1951 से 26 अप्रैल 1951 तक		
जय नारायण व्यास	26 अप्रैल 1951 से 03 मार्च 1952 तक (पहला कार्यकाल)		वह एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो मनोनीत और निर्वाचित दोनों रूपों में मुख्यमंत्री रहे।
टीकाराम पालीवाल	03 मार्च 1952 से 31 अक्टूबर 1952 तक		प्रथम मुख्यमंत्री का चुनाव प्रथम आम चुनाव के बाद हुआ था।
जय नारायण व्यास	1 नवम्बर 1952 से 13 नवम्बर 1954 तक (दूसरा कार्यकाल)		
मोहनलाल सुखाड़िया	**पहला कार्यकाल -** 13 नवंबर 1954 से 11 अप्रैल 1957 तक **दूसरा कार्यकाल-** 11 अप्रैल 1957 से 11 मार्च 1962 तक **तीसरा कार्यकाल-** 12 मार्च 1962 से 13 मार्च 1967 तक		सर्वाधिक बार निर्वाचित मुख्यमंत्री (4 बार)। उनके तीसरे कार्यकाल के बाद, राज्य पहली बार राष्ट्रपति शासन के अधीन आया।
	13 मार्च 1967 से 26 अप्रैल 1967 तक	**राष्ट्रपति शासन**	**राष्ट्रपति शासन**
मोहनलाल सुखाड़िया	26 अप्रैल 1967 से 9 जुलाई 1971 तक	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	
बरकतुल्लाह खान	9 जुलाई 1971 से 11 अक्टूबर 1973 तक		
हरिदेव जोशी	11 अक्टूबर 1973 से 29 अप्रैल 1977 तक		
	29 अप्रैल 1977 से 22 जून 1977 तक	**राष्ट्रपति शासन**	**राष्ट्रपति शासन**
भैरों सिंह शेखावत	22 जून 1977 से 16 फ़रवरी 1980 तक	**जनता पार्टी**	
	16 फरवरी 1980 से 6 जून 1980 तक	**राष्ट्रपति शासन**	**राष्ट्रपति शासन**
जगन्नाथ पहाड़िया	6 जून 1980 से 14 जुलाई 1981	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	
शिव चरण माथुर	14 जुलाई 1981 से 23 फ़रवरी 1985 तक		
हीरा लाल देवपुरा	23 फरवरी 1985 से 10 मार्च 1985 तक		
हरिदेव जोशी	10 मार्च 1985 से 20 जनवरी 1988 तक		
शिव चरण माथुर	20 जनवरी 1988 से 4 दिसम्बर 1989 तक		
हरिदेव जोशी	4 दिसम्बर 1989 से 4 मार्च 1990 तक		
भैरों सिंह शेखावत	4 मार्च 1990 से 15 दिसम्बर 1992 तक	**भाजपा**	
	15 दिसंबर 1992 से 4 दिसंबर 1993 तक	**राष्ट्रपति शासन**	**राष्ट्रपति शासन**
भैरों सिंह शेखावत	4 दिसंबर 1993 से 1 दिसंबर 1998 तक	भाजपा	

मुख्यमंत्री (Chief Minister)	कार्यकाल (Tenure)	दल (Party)	विवरण (Description)
अशोक गहलोत	1 दिसंबर 1998 से 8 दिसंबर 2003	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	
वसुंधरा राजे	8 दिसंबर 2003 से 12 दिसंबर 2008	भाजपा	राजस्थान की प्रथम महिला मुख्यमंत्री।
अशोक गहलोत	12 दिसंबर 2008 से 13 दिसंबर 2013	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	
वसुंधरा राजे	13 दिसंबर 2013 से 17 दिसंबर 2018 तक	भाजपा	
अशोक गहलोत	17 दिसंबर 2018 से 15 दिसंबर 2023 तक	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	
भजन लाल शर्मा	15 दिसंबर 2023 से अब तक	भाजपा	

राजस्थान विधानसभा (Rajasthan Legislative Assembly)

राजस्थान विधान सभा, राजस्थान राज्य की एकसदनीय विधायिका है। विधानसभा की बैठक राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्थित विधान भवन में होती है। विधान सभा के सदस्यों को 5 वर्ष की अवधि के लिए जनता द्वारा सीधे चुना जाता है। वर्तमान में विधान सभा में 200 सदस्य हैं। भारत के नवनिर्मित संविधान के अनुच्छेद 168 के प्रावधान के अनुसार, प्रत्येक राज्य को एक या दो सदनों वाली विधानमंडल का गठन करना आवश्यक था। प्रथम राजस्थान विधान सभा (1952-57) का उद्घाटन 31 मार्च 1952 को हुआ था। इसकी सदस्य संख्या 160 थी। 1956 में तत्कालीन अजमेर राज्य के राजस्थान में विलय के बाद सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 190 कर दी गई। दूसरी (1957-62) और तीसरी (1962-67) विधान सभाओं की सदस्य संख्या 176 थी। चौथी (1967-72) और पाँचवीं (1972-77) विधानसभा में प्रत्येक में 184 सदस्य थे। छठी (1977-80) विधानसभा के बाद से सदस्यों की संख्या 200 हो गई।

प्रत्येक राज्य का अपना सचिवालय होता है, जो विभिन्न विभागों में विभाजित होता है। सचिवालय का मुख्य राजनीतिक अधिकारी मुख्यमंत्री होता है और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मुख्य सचिव होता है।

वर्तमान में 16वीं राजस्थान विधानसभा कार्यरत है (Currently, the 16th Rajasthan Assembly is functioning)

- अध्यक्ष - वासुदेव देवनानी 21 दिसंबर 2023 से
- सदन के नेता (मुख्यमंत्री)- भजन लाल शर्मा, (भाजपा) 15 दिसंबर 2023 से
- सदन की उपनेता (उपमुख्यमंत्री)- दीया कुमारी, (भाजपा) एवं प्रेम चंद बैरवा, (भाजपा) 15 दिसंबर 2023 से
- नेता प्रतिपक्ष- टीका राम जूली, (कांग्रेस) 16 जनवरी 2024 से
- उपनेता प्रतिपक्ष- रमेश मीणा, (कांग्रेस) 29 जुलाई 2024 से